নট। চৌতাল

মন জানে মনোমোহন আইল, মন জানে সখা !
তাই কেমন করে আজি আমার প্রাণে ॥
তারি সৌরভ বহি বহিল কি সমীরণ আমার পরানপানে ॥

II সা | সা সা | রাঃ -মঃ I
ম ন জা নে •

I মা -া | মা পা | পা পা | মা -গা | রা গা | -া গা I
ম • নো মো হ ন আ • ই ল • ম

I রগা -রা | -া সা | -া সা | মমা রা | -া সা | -া -া I
ন • • জা • নে স • খা • তা • ই

I সা সা | -ধ্া সা | -া সা | সা -া | রা গা | -াঃ -পঃ I
কে ম • ন • ক রে • আ জি • •

I মা মা | রা মগা | -মা রা | -া II
আ মা র প্রা • • ণে •

II পা -া | পা র্সা | -া র্সা | র্সা -া | র্সা -া | র্সা -া I
তা • রি সৌ • র ভ • ব • হি •

I র্সা -া | ধা নধা | র্সা -া | র্রা -র্সা | র্সা র্সা | -ধা পা I
ব • হি ল কি • স • মী র • ণ

I পা -া | পা ধা | -া র্সা | র্সা -ধা | -া ধা | -পা -া I
আ • মা র • প রা • • ন • •

I মা -া | -া -গা | -া রা | -সা II II
পা • • • • নে •